



क्रपिटो जागरूकता अभियान

प्रलिस के लयः

कंपनी अधनियम, 2013, क्रपिटो जागरूकता अभियान, क्रपिटोकर्ससी, ऑनलाइन गेमगि, मनी लॉन्डरगि, PMLA, IEPF

मेन्स के लयः

क्रपिटोकर्ससी और संबंघति मुददे, सरकारी नीतयिँ और हस्तकषेप

चर्चा में क्योँ?

नविशक शकिषा और सुरकषा कोष (Investor Education and Protection Fund- IEPF) **क्रपिटोकर्ससी** एवं ऑनलाइन गेमगि के बारे में जागरूकता बढ़ाने के लयि एक आउटरीच कार्यक्रम लॉन्च करेगा ।

आउटरीच कार्यक्रमः

- आउटरीच कार्यक्रम की आवश्यकता इस अवलोकन पर आधारति है कि उद्योग में मौजूदा असथरिता के बावजूद क्रपिटो-संपत्ति और ऑनलाइन गेमगि (जसिमें जुआ और सटटेबाज़ी शामिल है) दोनों को अब भी अवैध तरीके से बढ़ावा दया जा रहा है ।
- यह कार्यक्रम संभावति नविशकों को कोई भी नरिणय लेने से पहले खुद को पूरी तरह से शकिषति करने में मदद करेगा क्योँकि क्रपिटोकर्ससी नविश एक जटलि और जोखमि भरा प्रयास है ।

नविशक शकिषा और सुरकषा कोष (IEPF):

- इसका प्रबंधन IEPF प्राधकिरण द्वारा कया जाता है, जसिं वर्ष 2016 में **कंपनी अधनियम, 2013** की धारा 125 के प्रावधानों के तहत स्थापति कया गया था ।
- प्राधकिरण को IEPF के प्रशासन की जमिमेदारी सौंपी गई है, जो नविशकों के बीच जागरूकता को बढ़ावा देने के अलावा सहिदावेदारों को शेयरोँ, दावा रहति लाभांश, परपिकव जमा और डबिचर आदि का रफिंड/प्रतदिय करता है ।
- नविशक शकिषा का आशय ग्रामीण और शहरी दोनों कषेत्रों में घरेलू नविशकों, गृहणियिँ एवं पेशेवरों तक पहुँचना तथा उनहें नविश के मूल सदिधांत सखिाना है ।
- प्रमुख धयान केंद्रति कषेत्रों में प्राथमकि और द्वतीयक पूंजी बाज़ार, वभिनिन बचत साधन, नविश के साधन (जैसे म्यूचुअल फंड, इक्विटी, अन्य के बीच), नविशकों को संदगिध पौंजी तथा **चटि फंड योजनाओं** एवं मौजूदा शकिायत नविारण तंत्र आदि के बारे में जागरूक करना शामिल है ।

क्रपिटोकर्ससी के संदरभ में चतिाँ:

- क्रपिटो दुवधि कसिी देश की मौद्रकि और राजकोषीय स्थरिता पर **अस्थरि प्रभाव** वाली अनयिमति मुद्रा के बारे में चतिाँ से उत्पन्न होती है ।
- इसके अतरिकित भारत में क्रपिटो एक्सचेंज की अवैध प्रथाओं जैसे- **मादक पदारथों की तसकरी, मनी लॉन्डरगि, वदिशी मुद्रा कानून का उल्लंघन करने तथा GST (माल और सेवा कर)** की चोरी में उनकी कथति भागीदारी के लयि जाँच की जा रही है ।
 - दसिंबर 2022 तक 907.48 करोड़ रुपए ज़बत कये गए हैं, तीन व्यक्तयिँ को गरिफ्तार कया गया है और चार अभयोजन शकिायतें, धन शोधन नविारण अधनियम (PMLA) के तहत दायर की गई हैं ।
- ब्लॉकचेन की अपरविरतनीय, सार्वजनकि प्रकृति मनी लॉन्डरगि के लयि क्रपिटो को खराब वकिल्प बनाती है क्योँकि यह कानून प्रवर्तन को नकद लेन-देन की तुलना में कहीं अधिक आसानी से मनी लॉन्डरगि को उजागर करने और ट्रेस करने में सकषम है ।
- **भारतीय रज़िर्व बैंक (RBI)** ने इस कषेत्र में कानून बनाने की सफिरशि की है । RBI का मानना है कि क्रपिटोकर्ससी को प्रतबिंधति कया जाना चाहयि ।

ऑनलाइन गेमगि:

- भारत में ऑनलाइन गेमिंग इंडस्ट्री के लिये इलेक्ट्रॉनिक्स एवं सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय को नोडल मंत्रालय नियुक्त किया गया है, जबकि ई-सपोर्ट्स के लिये युवा मामले और खेल मंत्रालय को नोडल एजेंसी बनाया गया है।
- MeitY द्वारा केंद्रीय वनियमन के लिये प्रस्तावित रूपरेखा से इस क्षेत्र के सामने आने वाले मुद्दों का समाधान होने की उम्मीद है।
- ऐसे शब्द जनिहें पब्लिक गेमिंग एक्ट (1867) में इस्तेमाल किया जाता है, कति इसे स्पष्ट नहीं किया गया है; उदाहरण के लिये 'गेम ऑफ चांस' और 'गेम ऑफ स्कलि' की परिभाषाओं के बारे में भ्रम बने हुए है। इसमें साइबर अपराध संबंधी ज़ोर भी जुड़े होते हैं।
- 'कौशल के खेल' (गेम ऑफ स्कलि) में अवसर के तत्त्व को पूरी तरह से खारज़ि नहीं किया जा सकता है, जबकि 'कौशल का आधार' (उपयोगकर्ता का मानसिक या शारीरिक कौशल) वह तत्त्व है जो शुद्ध अवसर के स्थान पर खेल के परिणाम को निर्धारित करने में प्रमुख भूमिका निभाता है।
- सर्वोच्च न्यायालय और कई उच्च न्यायालयों के अनेक फैसलों के अनुसार, भारतीय संविधान के अनुच्छेद 19(1)(जी) के तहत 'गेम ऑफ स्कलि' को संरक्षित वैध व्यावसायिक गतिविधियों के रूप में स्पष्ट रूप से स्थापित किया गया है।
- इन फैसलों ने 'कौशल के खेल' (गेम ऑफ स्कलि) और 'अवसर के खेल' (गेम ऑफ चांस) के बीच स्पष्ट अंतर पर भी ज़ोर दिया है।
- इन न्यायालयी फैसलों के बावजूद लत, वित्तीय नुकसान तथा कौशल एवं अवसर के बीच बहुत कम अंतर होने के कारण ऑनलाइन स्कलि खेलों को कुछ राज्यों में प्रतिबंधों का सामना करना पड़ा है।

आगे की राह

- अन्य कार्यक्रमों पर ध्यान देने के साथ ही कर्पिटो क्षेत्र के लिये एक नियामक तंत्र होना चाहिये।
- अगर सरकार कठोर रुख अपनाते हुए यह कहती है कि आभासी मुद्रा (Virtual Currency) जैसी चीज़ें भारत में वैध नहीं हैं, तो यह पूरी तरह सच नहीं माना जाएगा। लोगों को गलती से विश्वास हो सकता है कि यह नबिदिध है और लोग कर्पिटो संपत्तिका उपयोग करके मनी लॉन्ड्रिंग जैसे अपराधिक लेन-देन में संलग्न हो सकते हैं। परंतु कानूनी बैंकिंग माध्यमों का उपयोग कर अवैध लेन-देन का उन्मूलन किया जा सकता है।

UPSC सविलि सेवा परीक्षा, वगित वर्ष के प्रश्न (PYQ)

??????:

प्रश्न. "ब्लॉकचेन टेक्नोलॉजी" के संदर्भ में निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिये: (2020)

1. यह एक सार्वजनिक बहीखाता है जिसका निरीक्षण हर कोई कर सकता है, लेकिन जैसे कोई एकल उपयोगकर्ता नियंत्रित नहीं करता है।
2. ब्लॉकचेन की संरचना और डिज़ाइन ऐसा है कि इसमें मौजूद सारा डेटा कर्पिटोकर्सों के बारे में ही होता है।
3. ब्लॉकचेन की बुनियादी सुविधाओं पर निर्भर एप्लीकेशन बना कर किसी की अनुमति के वकिसति किये जा सकते हैं।

उपर्युक्त कथनों में से कौन-सा/से सही है/हैं?

- (a) केवल 1
- (b) केवल 1 और 2
- (c) केवल 2
- (d) केवल 1 और 3

उत्तर: (d)

प्रश्न. वानाक्राई, पेट्या और इंटरनलब्लू पद जो हाल ही में समाचारों में उल्लिखित थे, निम्नलिखित में से किससे संबंधित हैं? (2018)

- (a) एक्सप्लैनेट्स
- (b) प्रचलन मुद्रा (कर्पिटोकर्सों)
- (c) साइबर आक्रमण
- (d) लघु उपग्रह

उत्तर: (c)

??????:

प्रश्न. कर्पिटोकर्सों क्या है? यह वैश्विक समाज को कैसे प्रभावित करती है? क्या यह भारतीय समाज को भी प्रभावित कर रही है? (2021)

स्रोत: द हिंदू

